भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

जैव विविधता दिवस 2023

दिनांक : 22.5.2023

भावाअशिप- वन उत्पादकता संस्थान राँची के निदेशक डॉ.योगेश्वर मिश्रा के तत्पर निर्देशन एवं विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के मार्गदर्शन में दिनांक -22/05/2023 को संस्थान के सभागार में जैव विविधता 2023 के अवसर पर एक संगोष्ठी सह व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के समस्त अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी, शोध अध्येता के अलावा आदर्श +2 विद्यालय खूँटी की शिक्षिका श्रीमती विनीता के साथ 17 छात्राओं ने भाग लिया । कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अतिथि वक्ता डॉ प्रसंजित मुखर्जी रहे।

श्री करम सिंह मुण्डा के स्वागत एवं कार्यक्रम परिचय के बाद अतिथि वक्ता डॉ प्रसंजित मुखर्जी ने जैव विविधता एवं इसके महत्व को काफी सरल एवं गहरे शब्दों में व्याख्या की । उन्होने पर्यावरण, जैव विविधता संरक्षण के लिए हुए अनेक समझौते एवं उसके कार्यान्वयन पर जोर दिया । उन्होंने बताया की इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 22 दिनों तक जैव विविधता के संरक्षण हेतु विभिन्न गतिविधियाँ चलाना रहा है। सोशल मीडिया, प्रेस मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से इसे लोकप्रिय बनाया जाना चाहिए। उन्होंने जैव विविधता हॉटस्पॉट, संरक्षित वन, राष्ट्रीय उद्दान आदि को जैव विविधता संरक्षण में उपयोगी बताया। भारत को जैव विविधता के क्षेत्र में काफी समृद्ध बताते हुए उन्हें विभिन्न पौधों, जीवों, सूक्ष्म जीवों का प्रतिशत भी दर्शाया । मोटे अनाज के मामले में भारत सदियों से समृद्ध रहा है जिसकी जरुरत आज पुरे विश्व को है। फ्लोरा एवं फौना का भी आकड़ों सहित वर्णन किया । उन्होंने O_2 एवं CO_2 की आवश्यकता को भी समझाया। झारखण्ड को रत्नगार्वा बताते हुए जैव विविधता क्षय के कारणों का भी उल्लेख किया। सरना स्थलों के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण की परंपरा पुराने जमाने से चली आ रही है।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

“जैव विविधता दिवस 2023”

दिनांक : 22.05.2023

उप-वन संरक्षक श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने जैव विविधता ह्रास की भयानक स्थिति की व्याख्या करते हुए बताया की यदि हमलोग अभी से गंभीरता पूर्वक इस दिशा में कदम नही उठाते हैं तो बहुत जल्द ऐसा समय आयगा कि हम चाहकर भी कुछ नही कर सकेंगे। उन्होंने ग्लासगो समिट में भारत के प्रधानमंत्री के वक्तव्यों को उधृत करते हुए Misssion LiFE की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मिशन लाइफ़ तीन सूत्री कार्यक्रम के माध्यम से चलाया जा रहा है। आखिर में उन्होंने Misssion LiFE में अपनी प्रविष्टियों को डालने का अनुरोध किया क्योंकि समय कम बचा है और लक्ष्य का आधा ही प्राप्त कर सके हैं। चेयर ऑफ एक्सीलेंस डॉ एच.एस.गुप्ता ने आज के दिन को महत्वपूर्ण बताया । उन्होंने बताया की यदि हमें जिन्दा रहना है तो जैव विविधता का संरक्षण करना होगा । देश आबादी में विश्व का नंबर 1 है । उन्होंने कहा कि प्रकृति पर कम से कम दबाब रखना होगा, संसाधनों का दोहन कम करना होगा।

संस्थान के निदेशक डॉ योगेश्वर मिश्रा ने आज के दिन को महान दिवस बताया एवं इस दिवस के लिए सभी को वधाई दी। उन्होंने समझौते से कियान्वयन तक की अवधारणा को विस्तार से बताया। उन्होंने Misssion LiFE की चर्चा करते हुए अपने व्यवहार को प्रकृति के अनुकूल बनाने के कई तरीकों के विषय में बताया । उन्होंने कहा कि यदि 21 दिनों तक एक ही गतिविधि को हम करते रहे तो वह आदत बन जाती है । उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल देश होने के नाते 2070 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन के लिए प्रतिबद्ध है। जंगली जीवों में चीता को लाये जाने और उसी के अनुकूल परिवेश होने की बात कही। बाघ द्वारा नाखूनों से क्षेत्र का सीमांकन करने की भी चर्चा की। Misssion LiFE की 75 गतिविधियों को ध्यान से पढकर उन्हें व्यवहार में लाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया की मिशन लाइफ कार्यक्रम का प्रचार प्रसार भी हमारा दायित्व है। कार्यक्रम के अन्त में आदर्श +2 विद्यालय में क्विज़,निबंध एवं चित्रांकन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजयी प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार स्वरुप ट्राफी एवं प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। शिक्षिका विनीता ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई। कार्यक्रम की सफलता में विस्तार प्रभाग के श्री बी.डी.पण्डित, श्री सूरज कुमार, श्री करम सिंह मुण्डा ,श्री जीतू तिर्की एवं श्री मोहित सत्पथी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)